प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिये तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

पन्तनगर। 7 फरवरी 2025। विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना कृषि में महिलाएं, पन्तनगर विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर.–सीवा, भुवनेश्वर के वित्तीय सहयोग से उत्तराखंड के गेठिया गाँव (नैनीताल) में अनुसूचित जाति उपयोजना (एस.सी.एस.पी.) के तहत तीन–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन डा. मनीषा गहलौत, डा. सीमा क्वात्रा, डा. पूनम तिवारी तथा उनकी शोध टीम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति की महिलाओं को विभिन्न कौशल विकास गतिविधियों से अवगत कराना और उन्हें कृषि प्रक्रियाओं एवं उपकरणों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करना था। निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन द्वारा इस प्रयास को सराहा गया एवं आयोजन समिति को उक्त कार्यक्रम हेतु शुभकामनायें दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बेलुवाखान, निगलाट और गेठिया गांवों के ग्राम प्रधान, वरिष्ठ अतिथि तथा मुख्य अतिथि बरोदा स्वरोजगार विकास संस्थान, नैनीताल निदेशक श्री प्रदीप सिंह यार्सो तथा श्री सुरेश बिष्ट, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, बरोदा स्वरोजगार विकास संस्थान रहें। श्री प्रदीप सिंह यार्सो ने महिलाओं को बरोदा स्वरोजगार विकास संस्थान के अर्न्तगत आने वाली स्वरोजगार और उद्यमिता की योजनाओं के बारे में महिलाओं को अवगत कराया। इसके बाद श्री सुरेश बिष्ट, वित्तीय साक्षरता सलाहकार ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न वित्तीय सहायता और सब्सिडी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रीमती भावना जोशी, वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक, उत्तराखण्ड सरकार मुख्य अतिथि रही जिन्होनें मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन के सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन, विपणन और बिक्री की समग्र प्रक्रिया को समझाया, जिसमें मधुमक्खी पालन के व्यवसाय को शुरू करने और चलाने के बारे में मूल्यवान ज्ञान प्रदान किया। ए.आई.सी.आर.पी.–कृषि में महिलाएं की वैज्ञानिक डा. मनीषा गहलौत द्वारा स्थानीय श्रोत जैसे बिच्छु घास, भांग के रेशों से वस्त्र व उत्पाद बनाने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। इसके पश्चात डा. सीमा क्वात्रा द्वारा कृषि के कार्य में होने वाले श्रम की कठीनाई को कम करने के उपकरणों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न कृषि और घरेलू उपकरणों का प्रदर्शन किया गया तथा कृषक महिलाओं को ए. आई.सी.आर.पी. कृषि में महिलाए के वैज्ञानिक डा. मनीषा गहलौत, डा. सीमा क्वात्रा, डा. पुनम तिवारी तथा उनकी शोध टीम द्वारा विभिन्न उपकरणों जैसे रेक, सिलाई मशीन, खूर्पी और दूध की बालटी इत्यादि का वितरण किया गया। इन उपकरणों का उद्देश्य महिलाओं को कृषि और घरेलू कार्यो में अधिक दक्षता प्राप्त करने में मदद करना था। इस क्षमता निर्माण पहल ने गेठिया गांव की महिलाओं को सक्रिय रूप से संलग्न करते हुए उनके कौशल को बढ़ावा देने और उत्पादकता तथा आय सृजन में सुधार करने में महत्पूर्ण योगदान दिया। इस पहल को ग्रामीण महिलाओं ने सराहा और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं के लिए विशेष रूप से एससीएसपी योजनाओ तथा आजीविका में सुधार लाने की दिशा पर केंद्रित था।

कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार